Final Semester Examination - 2013

M. A. (Third Semester) Examination - Political Science

Paper - XIII (Government and Politics of the States in India)

Paper Code : AS - 2068

Model Answer Key :- Section - A

Ans :- 1 - राज्य के दल मुख्यतः उन राजनीतिक दलों एवं समूहों को कहा जाता है जिनका कार्यक्रम किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित हो। सामान्यतः राज्य स्तर के दल केन्द्र में सत्ता प्राप्ति के लिये अधिक प्रयत्नशील नहीं होते थे परन्तु 1996 के चुनावों के पश्चात मिली जुली सरकारों के गठन में इन दलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गयी है।

Ans :- 2 - United Liberation Front of Assam (ULFA)
यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम

Ans :- 3 - सूरत जिला तथा बारदोली तालुका

Ans :- 4 - 20 महीनों

Ans :- 5 - बहुजन समाज पार्टी की स्थापना 1984 ई० में कांशीराम द्वारा मुख्य रूप अनुसूचित जाति एवं जनजाति के उत्थान एवं राजनीतिक सामाजिक न्याय प्रदान करने के लिये की गयी थी। 2003 में पार्टी की कमान मायावती के हाथों में आयी जो वर्तमान समय में राज्यसभा में पार्टी का नेतृत्व कर रही हैं।

Ans :- 6 - All Assam Students Union (AASU)
ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन

Ans :- 7 - रजनी कोठारी

Ans :- 8 - गौरी शंकर मिश्रा, मदन मोहन मालवीय, इन्दु नारायण द्विवेदी, वर्ष 1918

Ans :- 9 - मालाबार जिला, केरल, वर्ष अगस्त 1921

Ans :- 10 - धर्मनिरपेक्ष दल से तात्पर्य उस राजनीतिक दल से है जिसके द्वारा समस्त धर्मों के लिये समान व्यवहार की अवधारणा हो तथा जो स्वयं किसी एक दल का प्रचार प्रसार न करे। इस विचारधारा को मानने वाले दल एक सामान्य आचार संहिता का पालन करते है तथा किसी भी प्रकार की धार्मिक गतिविधि में भागीदार नहीं होते।

Section - B

Ans :- 11 - चुनाव के अध्ययन के लिये प्रयोग किये जाने वाले विभिन्न उपागमों में से का प्रयोग मुख्यतः प्रजातन्त्र के विश्लेषणात्मक अध्ययन के लिये किया जाता है। यह सर्वेक्षण शोध के रूप में माना जाता है जिसमें अकादमिक विश्लेषण के लिये सूचनाओं का एकत्रीकरण किया जाता है। यह शोध विश्लेषण समय अनुबंधित होता है जो चुनाव के तुरंत पूर्व तथा तुरंत पश्चात किया जाता है। पॉल ब्रास ने इसको पारिस्थितिकी विश्लेषण के साथ समायोजित करने का तर्क दिया है ताकि राजनीतिक प्रक्रिया का विश्लेषण अधिक बेहतर ढंग से किया जा सके।

Ans :- 12 - वर्तमान समय में भारत में उभरते हुये औद्योगीकरण की प्रक्रिया को निम्न बिन्दुवत- समझा जा सकता है;

प्राचीन भारत में औद्योगिक विकास की स्थिति
बहुराष्ट्रीय कंपनियों का उद्योग जगत में प्रवेश
बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा औद्योगिक इकाइयों पर प्रभुत्व कायम
निवेश नियंत्रण पूर्णतया निजीकृत प्रक्रिया
राज्यों द्वारा निदेशक तत्वों के माध्यम से विधान द्वारा नियंत्रण
पूंजीपतियों द्वारा एकाधिकार के नियंत्रण की प्रक्रिया
नियंत्रण की प्रक्रिया का क्षेत्रीय पहलू
क्षेत्रीय उद्योगों में औद्योगिक एवं कृषि की प्रगति
निष्कर्ष

Ans :- 13 - राज्यों की राजनीति का उभरता हुआ स्वरूप ;

राज्यों मे राष्ट्रीय दलों का प्रभुत्व : कांग्रेस शासन काल में
राज्यों में क्षेत्रीय दलों का बढ़ता प्रभुत्व : 1960 के दशक में
जातिवाद तथा क्षेत्रीयता का उभरता प्रतिमान
विकास तथा असंतुष्ट वर्ग को प्रोत्साहन
निर्णय निर्माण प्रक्रिया मे अल्पसंख्यकों का उभरता स्वरूप
पिछड़े तथा अनुसूचित जाति के वर्गों का भी प्रतिनिधित्व
राजनीति का रुझान केन्द्र के स्थान पर राज्य आधारित मुद्दों पर
राज्यों में राष्ट्रीय दलों का गिरता जनसमर्थन
क्षेत्रीयतावाद तथा राज्य आधारित मुद्दों का प्रभुत्व
निष्कर्ष

Ans :- 14 - भारतीय राज्यों के संदर्भ मे आर्थिक सुधार के मुद्दे ;

राज्यों की आय वृद्धि के लिये किये जाने वाले प्रयास
राज्य बिजली बोर्ड का नियमितीकरण
व्यापार एवं विकास मे परिवर्तित प्रणाली
उत्पादन एवं वितरण के साधनों का नियमितीकरण
प्रति व्यक्ति आय मे बढ़ोत्तरी
राज्य आधारित वित्तीय संस्थाओं को केन्द्र की आर्थिक मदद
केन्द्र के साथ सहयोगात्मक एवं समन्वयात्मक व्यवहार
उद्योग धन्धों मे वृद्धि
पूँजी निवेश के साधनों मे वृद्धि
निष्कर्ष

Ans :- 15 - राज्यों की राजनीति में विरोध आंदोलन ;

मालाबार का विरोध आंदोलन
बारदोली का आंदोलन
कृषक आंदोलन : परिवर्तित परिदृश्य
दलित एवं युवा आंदोलन
राज्य की राजनीति का सशक्त पहलू
आंदोलन : परिवर्तन के वाहक
स्थापित सत्ता के खिलाफ संघर्ष
समस्यात्मक के स्थान पर समाधानात्मक व्यवहार
दलित आंदोलन : परिवर्तित स्वरूप
पिछड़े वर्गों में जागरूकता में वृद्धि
केन्द्र सरकार अथवा शासन के समक्ष चुनौतीपूर्ण स्थिति
निष्कर्ष

Ans :- 16 - भारत में कृषि संबंधी प्रचलित परिवर्तनों की प्रमुख विशेषताएँ ;

किसान सभा तथा राजनीतिक दलों का निर्माण
जन - जागरूकता एवं विकास का मॉडल
जमींदारी प्रथा का अंत
कृषकों की सामाजिक आर्थिक परिस्थिति में परिवर्तन
कृषकों के शोषण में कमी
सामंती प्रथा का आंशिक उन्मूलन
लगान एवं कर वसूली की प्रक्रिया का मूल्यांकन
सुधार प्रयासों में वृद्धि
आर्थिक आधार पर समृद्धि
निष्कर्ष

Ans:— 17 - 1970 के दशक मे क्षेत्रीय शक्तियों के उदय की विवेचना ;

क्षेत्रीयता का उभरता स्वरूप
राष्ट्रीय राजनीतिक दलों का पतन
विकास तथा परिवर्तन के परिवर्तित आयाम
क्षेत्रीय नेताओं एवं मुद्दों का उदय
जनता मे राजनीतिक जागरूकता मे वृद्धि
मतदान व्यवहार मे सकारात्मक परिवर्तन
राजनीतिक सामाजीकरण की प्रक्रिया मे वृद्धि
नकारात्मक तथा क्षेत्रीय शक्तियों का प्रभुत्व
निष्कर्ष